

शूट गॉल सिला का आम की फसल में प्रबंधन

गुंडप्पा एवं पी. के. शुक्ल

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, रहमानखेड़ा, लखनऊ

शूट गॉल सिला उत्तर भारत में आम की फसल को क्षति पहुँचाने वाला एक गंभीर कीट है। यह कीट आम के अतिरिक्त किसी अन्य फसल को क्षति नहीं पहुँचाता है। इसके प्रकोप से आम की वानस्पतिक वृद्धि को औसतन 50 प्रतिशत तक की क्षति होती है जिसके कारण फल उत्पादन गंभीर रूप से प्रभावित होता है। विगत पाँच वर्षों के दौरान किये गये सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़ों के अनुसार शूट गॉल सिला का प्रकोप उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के फैजाबाद, हरिद्वार, सहारनपुर, सीतापुर, बाराबंकी, बिजनौर एवं लखनऊ जिलों में हो रहा है। सीतापुर और सहारनपुर जिला के अधिकतम क्षेत्रफल में इस कीट का प्रकोप देखा गया। सीतापुर, बाराबंकी और फैजाबाद जिलों के प्रभावित क्षेत्रों में कृषकों से संपर्क करने पर ज्ञात हुआ कि वे इस कीट को रोग समझते रहे हैं और इस कारण कीट के नियंत्रण हेतु कोई प्रयास नहीं करते हैं। अतः कृषकों को जागरूक करने के लिये प्रयास आवश्यक है।

इस कीट की वयस्क मादा मार्च-अप्रैल महीनों में विकसित हो रही कोमल पत्तियों की मध्य शिरा के आसपास अंडे देती है। अंडों के समूह सामान्यतः आयताकार आकृति में स्थित होते हैं। इस कीट के अंडे भूरे रंग के होते हैं जो मध्यशिरा में लगभग आधे धंसे रहते हैं। अंडों का आकार इतना छोटा होता है कि इन्हें देखकर अंडों की उपस्थिति का पता लगाना कठिन होता है। लेकिन यदि मध्य शिरा का रंग हल्का या गहरा भूरा हो तो अंडों की उपस्थिति का संकेत प्राप्त होता है। प्रारंभ में निम्फ बहुत छोटे होते हैं और इनका रंग हल्का पीला होता है। विकसित होने पर ये 1-2 मिलीमीटर के हो जाते हैं और अंडे उत्पन्न होने से लगभग 190-210 दिनों के उपरांत अंडों से निम्फ निकलते हैं। अंडों से निम्फ के निकलने का क्रम अगस्त माह के उत्तरार्द्ध में प्रारंभ होता है। इनका रंग गहरा पीला से भूरा हो जाता है। निम्फ रेंगकर फूटती हुई कलिकाओं तक पहुँच जाते हैं और उनकी मध्य शिरा के अन्दर घुसकर रस चूसते हैं जिससे कलिकाओं के विकास में बाधा उत्पन्न होती है। कीट के रस चूसने एवं रासायनिक श्राव के प्रभाव से विकासशील कलिकाएँ शंखाकार घुंडी (गॉल) के रूप में परिवर्तित हो जाती हैं। घुंडियाँ बनाने का क्रम सितंबर से दिसंबर माह तक चलता है। निम्फ इन्हीं घुंडियों के अंदर प्रवेश कर इन्हें चूसते रहते हैं। कीट के निम्फ अगस्त माह के उत्तरार्ध से फरवरी माह के अन्त तक सक्रिय रहते हैं। इस समयावधि में प्रत्येक निम्फ लगभग 1 माह के अन्तराल पर 6 बार कायान्तरण करता है। फरवरी-मार्च माह में निम्फ घुंडियों के अंदर ही वयस्क में परिवर्तित हो जाते हैं और फिर मार्च के महीने में बाहर निकलकर अंडे देने का कार्य करते हैं। एक वर्ष में इस कीट का एक जीवन चक्र पूर्ण होता है।



प्रबंधन

- इस कीट के प्रभावशाली नियंत्रण हेतु कार्यो एवं छिड़काव का उचित समय पर किया जाना अति आवश्यक है। कीटनाशकों का छिड़काव यदि कीट की लक्षित अवस्था के अनुरूप किया जाता है तो उसका पूर्ण नियंत्रण होता है, अन्यथा इस कीट को नियंत्रण में लाना असंभव होता है। अतः अगस्त एवं सितंबर माह में पैदा हो रहे निम्फ द्वारा उत्पन्न प्रकोप को रोकना आवश्यक है। अतः इस समयावकाश में थायमेथाक्जाम 25 डब्ल्यू.जी. 0.5 ग्राम/ लीटर या क्वीनालफॉस 25 ई.सी. 1.50 मिलीलीटर/ लीटर का प्रथम छिड़काव अंडों से निम्फ निकलने के समय (अगस्त के दूसरे सप्ताह में) तथा दूसरा छिड़काव अगस्त के अन्त में डायमथोएट 30 ई.सी. 2.0 मिलीलीटर/ लीटर पानी में घोलकर करना चाहिये।
- वयस्क मादा कीट द्वारा अंडा देने की प्रक्रिया पर नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस के 0.2 प्रतिशत (2 मिलीलीटर/ लीटर) घोल का छिड़काव मार्च माह के प्रथम सप्ताह में करना चाहिये। इसके अतिरिक्त अंडा ग्रस्त पत्तियों (मार्च माह में) एवं घुंडी ग्रस्त टहनियों (सितम्बर माह में) को तोड़कर जला देने से भी कीट नियंत्रण में सफलता मिलती है।



अंडे स्थापित करने हेतु वयस्क मादा द्वारा उत्पन्न स्थान (पंचर)

मार्च से अगस्त महीनों के मध्य अंडों में विकास उपरांत निम्फ का बाहर आना



निम्फ कीट

सितंबर माह में घुंडियाँ बनना प्रारंभ होता है।

मार्च माह में अंडे देना

शूट गॉल सिला कीट का जीवन-चक्र



वयस्क कीट



मार्च महीने में वयस्क कीटों का घुंडियों से बाहर आना



पूर्ण विकसित घुंडियाँ

Published By
Director

भा.कृ.अनु.प-केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान
ICAR-Central Institute for Subtropical Horticulture

रहमानखेड़ा, पोस्ट-काकोरी, लखनऊ-226 101
Rehmankhara, P.O. Kakori, Lucknow - 226 101

दूरभाष/Tel : (0522) 2841022-24 फैक्स/Fax : (0522) 2841025

ईमेल/Email : cish.@icar.gov.in, फोन-इन-लाइव/Phone-in-live : 0522-2841082

वेबसाइट/Website : www.cish.icar.gov.in

